

ये अव्यक्त इशारे

एकान्तप्रिय बनो एकता और एकाग्रता को अपनाओ

11-02-2025

स्व उन्नति में, सेवा की उन्नति में एक ने कहा, दूसरे ने हाँ जी किया, ऐसे सदा एकता और दृढ़ता से बढ़ते चलो। जैसे दादियों का एकता और दृढ़ता का संगठन पक्का है, ऐसे आदि सेवा के रत्नों का संगठन पक्का हो, इसकी बहुत-बहुत आवश्यकता है।

Have love for solitude and imbibe unity and concentration.

In self-progress and progress in service, one says something and the other accepts by saying "Ha ji". Continue to increase unity and determination in this way. Just as a gathering of Dadis is strong in their unity and determination, so a gathering of old serviceable jewels should be strong in the same way. There is a great need of this.

